Department of Political Science
D.B. College Jaynagar
B.A PART-III - Pub. Ad.

By- A.K. Yadav
(Asstt. Prof. Gptt.)
Date- 19/09/20

# Lecture No. 18

## लोक प्रशासन तथा वुडरो विल्सन का योगदान

आधुनिक प्रशासनिक चिन्तकों में वुडरो विल्सन का नाम इस संदर्भ में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि उन्होंने लोक प्रशासन के व्यवस्थित और वैज्ञानिक अध्ययन पर बल देकर इस विषय के विकास में व्यापक योगदान दिया है। इन्होंने अपने प्रसिद्ध निबन्ध The study of Administration 1887 में बहुत ही व्यवस्थित एवं तार्किक ढंग से सरकार की ~~प्रक्रिया~~ संचालन की प्रक्रिया का वर्णन एवं विश्लेषण किया है। तथा प्रशासन को वैज्ञानिक तथा तार्किक रूप में स्थापित करने का प्रयास किया।

वुडरो विल्सन ने सर्वप्रथम तार्किक रूप में यह विचार रखा कि विधायन सम्बन्धी कार्य राजनीति है तथा यह विधायिका का विषय है। जबकि क्रियान्वयन सम्बन्धी कार्य प्रशासनिक कार्य है। तथा यह कार्य पालिका का विषय है। चूंकि सरकार की विधायिका एवं कार्यपालिका शाखा अलग-2 है। इसलिए राजनीति तथा प्रशासन का अध्ययन करना सही नहीं है। राजनीति तथा प्रशासन में अन्तर को देखते हुए दोनों को पृथक करने की आवश्यकता है। स्पष्टत: वुडरो विल्सन ने राजनीति और प्रशासन में विभाजन का समर्थन किया है। जिसे द्वि-विभाजन सिद्धान्त कहा जाता है। हालांकि यहाँ पर इस बात को स्पष्ट करना आवश्यक प्रतीत होता है कि उन्होंने राजनीति और प्रशासन के द्वि-विभाजन का समर्थन करके भी पूर्णत: दोनों विषयों को सदा के लिए एक-दूसरे से पृथक नहीं किया है। उनका मानना है कि लोक प्रशासन का राजनीति विज्ञान से पृथक्करण आवश्यक है परन्तु अन्य विषयों की तुलना में लोक प्रशासन को राजनीति विज्ञान के अधिक समीप माना जा सकता है।

राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन के विद्वान वुडरो विल्सन ने प्रशासनिक व राजनीतिक अराजकता की समाप्ति के लिए वैज्ञानिक अध्ययन को आधार बनाने की बात कही है। वुडरो विल्सन के मतानुसार



PTO

Scanned with CamScanner

"लोक कल्याणकारी अवधारणा के विकास से प्रशासनिक मशीनरी के दायित्व में वृद्धि हुई है" राज्य के कार्यक्षेत्र में बढ़ोत्तरी के साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था के समक्ष चुनौतियाँ और जटिलतायें आती गई। तथा प्रशासन के सामने जटिलताओं के समाधान हेतु तकनीकी समस्यायें खड़ी हुई। इसी समस्या के निदान के लिए वुडरो विल्सन ने प्रशासनिक संरचना में सुधार का सुझाव दिया है। वुडरो विल्सन प्रशासनिक सुधार के लिए एक ठोस ~~स~~ सार्वकालिक सिद्धान्त को विकसित करना चाहते हैं। वुडरो विल्सन ने अपने लेख में यह भी कहा है कि सरकार का सबसे स्पष्ट प्रत्यक्ष एवं कारगर अंग कार्यपालिका ही है। इसके कार्यपालिका प्रशासन को ज्यादा महत्व प्रदान नहीं किया गया है। प्रशासनिक विज्ञान को व्यवस्थित रूप में आगे नहीं बढ़ाया जाता है और इस पर वैज्ञानिक ढंग से व्यापक लेखन कार्य ही नहीं किया गया। सरकार के सामने नीति-निर्माण एवं नीति क्रियान्वयन के सिद्धान्तों के निर्धारण की समस्या उठती रही है। इन समस्याओं से राजनीतिक वैज्ञानिकों ने अपने आप को नहीं जोड़ा है बल्कि विधायिका के कार्य समझकर वे इन जिम्मेदारियों से स्वयं को बचाते रहे हैं। 19वीं शताब्दी से पूर्व राजनीतिक वैज्ञानिकों ने अपने आप को कुछ विशेष विषयों जैसे राज्य की उत्पत्ति, राज्य की प्रकृति और विकास, संप्रभुता, सत्ता, शक्ति, शासन के स्वरूप एवं वर्गीकरण के अध्ययन एवं विश्लेषण से ही सम्बद्ध रखा है। जबकि उन्हें प्रशासनिक विज्ञान के स्वरूप कार्य एवं विकास पर ध्यान देना चाहिए। ~~वुडरो विल्सन~~

वुडरो विल्सन ने प्रशासनिक विज्ञान के इतिहास, विकास और विकासात्मक मार्ग में आयी ~~क~~ कठिनाइयों के व्यापक वर्णन के साथ-2 प्रशासनिक विज्ञान की विषय वस्तु व विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला है। वुडरो विल्सन ने लोक प्रशासन, लोक नीतियों और लोक नियमों का व्यवस्थित क्रमबद्ध और व्यापक प्रस्तुतीकरण ही प्रशासन का काम है कि वह साधारण कानून का अनुप्रयोग असाधारण रूप से करे। वह यह भी कहते हैं कि सरकारी नीति एवं क्रियान्वयन ही सरकारी गतिविधि नहीं है। इसके अलावा उन्होंने लोक सेवा में तकनीकी प्रशिक्षण पर बहुत ज्यादा बल दिया है। संक्षिप्त रूप में हेनरी निकोलस ने वुडरो विल्सन के योगदान के सन्दर्भ में कहा है कि "वुडरो विल्सन ने लोक प्रशासन के संपूर्ण क्षेत्र में लोक कर्तव्य के नैतिक अर्थ के विस्तार में मदद की है।"

End.



Scanned with CamScanner